(i) Annual Report and Accounts of the Brahmaputra Board for the year 1986-87, togeher with the Audit Report on the Accounts.

(ii) Statement by Government accepting the above Report.

[Placed in Library. *See* No. LT-5533/88 for (i) and (ii)]

II. A copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(i) Annual Report and Audited Accounts of the National Institute of Hydrology, Roorkee, for the year 1986-87.

(ii) Statement by Government accepting the above Report.

(iii) Statement giving reasons for the delay in laying the paper mentioned at (i) above.

[Placed in Library. *See* No. LT-5534/88 for (i) to (ii).]

Notification of the Ministry of Commerce

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. R. DAS MUNSI): Madam, I beg to lay on the table a copy each (in English and Hindi) of the following Notifications of the Ministry of Commerce:—

(i) S.O. No. 1084(E), dated the 14th December, 1987, publishing the Export (Control) Sixteenth Amendment Order, 1987.

(ii) S.O. No. 54(E), dated the 14th January, 1988, publishing the Exports (Control) First Amendment Order, 1988.

(iii) S.O. No. 123(E), dated the 21st January, 1988, publishing the Export (Control) Amendment Order, 1988.

(iv) S.O. No. 141(E), dated the 3rd February, 1988, publishing the Export (Control) Third Amendment Order, 1988.

(v) S.O. 150(E), dated the 10th February, 1988 publishing the Exports (Control) Fourth Amendment Order, 1988.

[Placed in Library. *See* No. LT-5687/88 for (i) to (v)].

RESIGNATION BY MEMBER

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform Members that the Chairman had received a letter from Shri Khamsum Namgyal Pulger, a Member representing the State of Sikkim, resigning his seat in Rajya Sabha. The Chairman has accepted his resignation with effect from today, the 1st March, 1988.

Now we take up discussion on the Motion of Thanks on the President's Address. Shri Ram Chandra Vikal.

ATROCITIES ON WOMEN

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) : उपसभापति महोदया, मेरी बात सुनिये एक मनट के लिए ।

उपसभापति : अभी चेयरमैन साहब ने आपको कह दिया है। आपको अलाउड नहीं किया है। रिकार्ड पर नहीं जाएगा। कुछ भी रिकार्ड पर नहीं जाएगा।

श्री राम अवधेश सिंह : *

उपसभापति : बैठ जाइये। आप बैठ जाये।

श्री राम अवधेश सिंह : *

उपसभापति : मानिये, चेयरमैन साहब ने भी आपको कहा था। आप बैठ जाइये

श्री राम अवधेश सिंह : *

उपसभापति : आप जो कुछ कह रहे हैं रिकार्ड पर नहीं जाएगा। कुछ भी रिकार्ड पर नहीं जाएगा। प्रेस में भी नहीं जाएगा। आप बैठ जाइये। आप आप ऐसा नहीं कर सकते। आप मेरी बात सुनिये। बैठ जाइये। देखिये आप समझने की कोशिश कीजिये। इस पर डिसकशन होगा। आपने जब चेयरमैन साहब के साथ इसके बारे में बात की थी तो मैं भी वहां पर थी। आपने परमिशन मांगी तो चेयरमैन साहब ने यह कहा कि इस पर इस फुल डिस्कसशन ला रहे हैं उस वक्त आप को जो बोलना हो बोलिये। इस पर पूरा डिकमशन हो रहा है। सारा हाऊस उस में पार्टीसिपेट करेगा तब आप जरूर बोल सकते हैं। अभी एक मिनट बोलेंगे तब आप ज्यादा बोल सकते है। इसलिए मेरी बात मानिये। रूल के मुताबिक चलिये। ऐसा नहीं होता है। जब चे रमैन साहब ने आपको अलाऊ नहीं किया है तो नहीं बोलिये।

श्री राम अवधेश सिंह : *

उपसभापति : कुछ भी रिकार्ड पर नहीं जाएगा।

श्री राम अवधेश सिंह : *

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Give me one minute, please. Shri Ram Awadhesh Singh raised a point and the Government is anxious to come out with more facts about that matter which he has raised about atrocities on women in some parts. So, the Government is collecting information so that we can fix a time and do a good discussion.

श्रीराम अवधेश सिंह :

उपसभापति : हम नहीं सुन रहे हैं आप जो बात कह रहे हैं ... **(व्यवधान)** हाउस चलने का कोई नियम है, कोई रूल हैं जो हाउस ने बनाये हुए हैं उनके मुताबिक डिसकशन होता है। आप जब चाहें तब उठकर नहीं बोल सकते हैं ... **(व्यवधान)**

श्री राम अवधेश सिंह :*

उपसभापति : कुछ एक्शन लेना पड़ेगा अगर आप नहीं मानेंगे। मैंने आपको अच्छी तरह से समझाया है। समझने की कोशिश कीजिए। आप बैठ जाइये ... **(व्यवधान)**

श्री राम अवधेश सिंह :*

उपसभापति : आ को बता दिया कि चेयरमैन साहब ने मना किया है। चेयरमैन साहब ने अभी बताया कि उन्होंने इजाजत नहीं दी है, इसके बावजूद भी आप बोलना चाहते हैं। यह नियम के खिलाफ है। आप समझने की कोशिश क्यों नहीं करते। आप समझने की कोशिश कीजिए।

PROF. C. LAKSHMANNA (Andhra Pradesh): We respect your ruling. The Minister for Parliamentary Affairs has said that he will come back to the House with the information but nothing has happened.

*Not recorded.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Chairman has asked him to find out the details and report it to him. He would report it to the Chairman.

PROF. C. LAKSHMANNA: When he will report?

SHRI PARVATHANENI UPENDRA (Andhra Pradesh): Madam, you should protect the rights of the Members.

THE DEPUTY CHAIRMAN: When the meeting took place you were not there. The Chairman has asked the Parliamentary Affairs Minister to find out the facts and report to him back.

PROF. C. LAKSHMANNA: What is the report of the Minister?

SHRI RAM AWADHESH SINGH: **

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): Madam, this should not go on record. I beg you whatever the hon. Member has said should not go on record. It is unparliamentary.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have already said, it will not go on record. It will not go in the press also.

SHRI DHARANIDHAR BASUMATARI (Assam): I am also serious about Adivasis. When the Minister for Parliamentary Affairs has said that he is collecting the information you must wait.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDTNTS ADDRESS—Contd.

श्री राम चन्द्र विकल (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, राष्ट्रपति महोदय के भाषण पर धन्यवाद का जो प्रस्ताव कुलकर्णी जी ने रखा है मैं उसके समर्थन में बोल रहा हूं। इससे पहले मैं बधाई देता हूं प्रधान मंत्री जी और वित्त मंत्री जी को कि एक अच्छा बजट उन्होंने सदन में पेश किया, विशेषकर किसानों के लिए ग्रामवासियों के लिए, हरिजनों के लिए जो इस बार बजट में रखा गया है वह पहला बार उधर ध्यान जाना है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (मध्य प्रदेश) : बजट पर अलग से चर्चा हो विकल जी।

श्री राम चन्द्र विकल : बधाई के साथ साथ जो आज देश में विषमताएं हैं और जिनके ऊपर पक्ष विपक्ष के लोग आये दिन कुछ न कुछ चर्चा करते ही रहते हैं उनके बारे में मुझे एक ही शब्द यह कहना है कि यह हमारे देश का दुर्भाग्य रहा है कि समाज, जनता और सभी जगह सत्ता और सम्पत्ति का सम्मान हुआ है, श्रम और सेवा का नहीं हुआ है। श्रम और सेवा का सम्मान काश वैसा ही होने लगे जैसा सत्ता और सम्पत्ति का होता है तो विषमताओं की खाई पट सकती है और देश के आर्थिक विकास में बहुत बड़ी प्रगति हो सकती है जिससे लोगों में भारी संतोष होगा।

मैं इस मौके पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए कुछ शब्द कहना चाहता हूं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जिन्होंने अपने बलिदानों से इस देश को आजाद कराया उनको रेल के पास देने का सवाल अटका हुआ है बहुत दिनों से, यह हो जाना चाहिए। आश्वासन तो दिये जाते हैं। मैं बार बार कहता रहा हूं सदन में और सदन के बाहर भी कि जिन्होंने इस देश के लिए त्याग किया, बलिदान दिया, कुर्बानी दी उनको कम से कम इस देश को देखने का सौभाग्य देना चाहिए। वैसे भी इस देश में त्याग और बलिदानों की परम्परा को डालना है तो शिक्षा के द्वारा बच्चों को भावी पीढ़ी को उनके जीवन चरित्र और उनके बलिदान की कहानियों को बताना चाहिए। लाखों लाख ऐसे लोग हैं जिन्होंने बलिदान किया है, उनकी जानकारी आज देश को

**Not recorded.